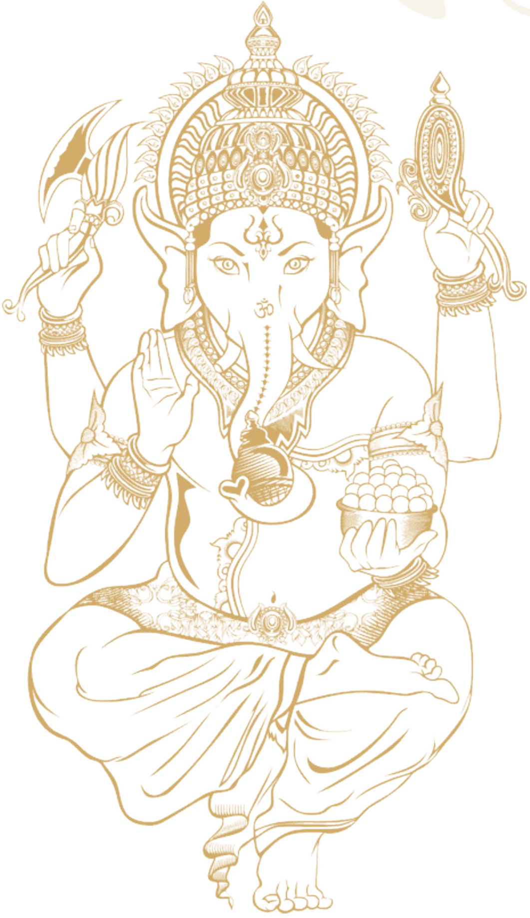

Shalu

31 Mar 1997

04:10 PM

Amritsar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121745510

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 31/03/1997**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	**: 16:10:00 घंटे**
इष्ट	: 24:33:17 घटी
स्थान	**: Amritsar**
राज्य	: Punjab
देश	: India

अक्षांश	: 31:35:00 उत्तर
रेखांश	: 74:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:30:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 15:39:44 घंटे
वेलान्तर	: -00:04:12 घंटे
साम्पातिक काल	: 04:15:07 घंटे
सूर्योदय	: 06:20:41 घंटे
सूर्यास्त	: 18:48:47 घंटे
दिनमान	: 12:28:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 16:56:17 मीन
लग्न के अंश	: 13:41:54 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**: धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**: मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: वरियान
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: मूषक
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: भी-भीनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:41:54	307:26:37	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			मीन	16:56:17	00:59:14	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	12:10:13	13:41:06	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल	व		सिंह	27:40:46	00:19:58	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध			मेष	04:33:03	01:29:32	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मक	21:05:35	00:10:47	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र		अ	मीन	16:23:44	01:14:31	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	16:29:42	00:07:32	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
राहु			कन्या	04:50:14	00:00:03	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	04:50:14	00:00:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	14:06:43	00:02:02	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:52:04	00:01:01	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चिक	11:38:16	00:00:45	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	11:51:49	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:06

लग्न-चलित

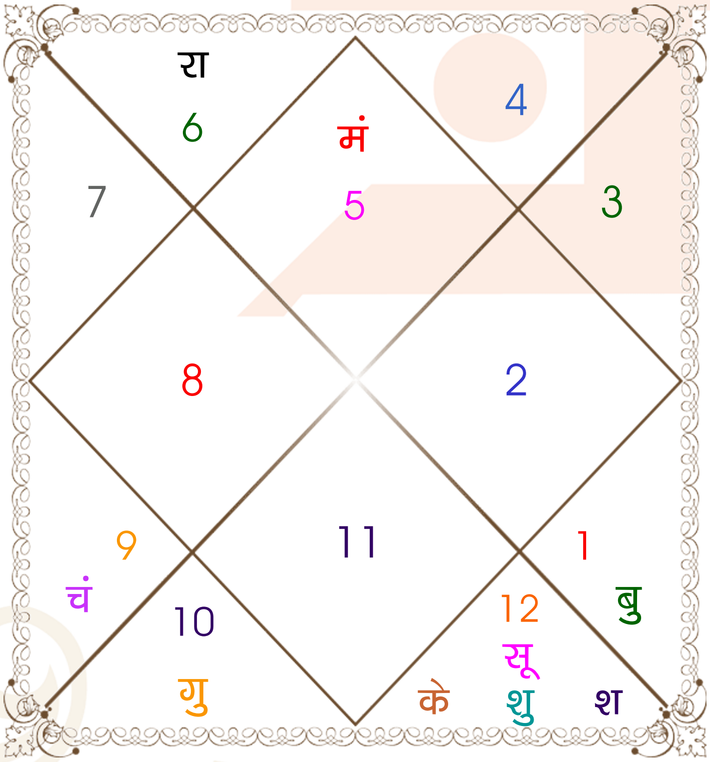

चन्द्र कुंडली

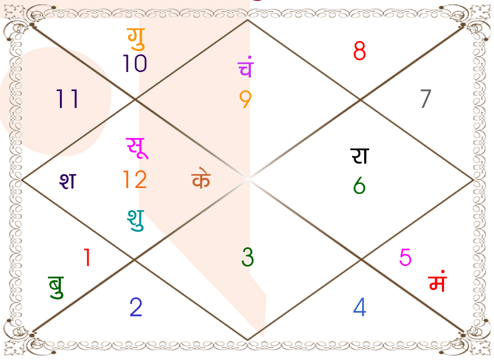

नवमांश कुंडली

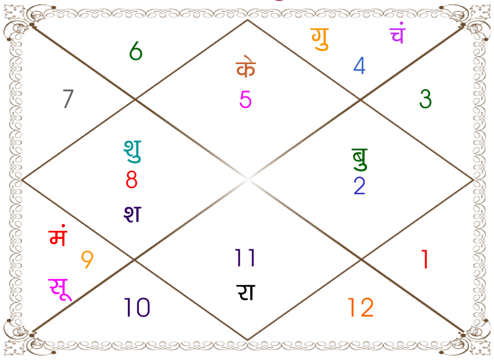

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 7 मास 9 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
31/03/1997	**09/11/1997**	**09/11/2017**	**10/11/2023**	**09/11/2033**
09/11/1997	**09/11/2017**	**10/11/2023**	**09/11/2033**	**09/11/2040**
00/00/0000	शुक्र 11/03/2001	सूर्य 27/02/2018	चंद्र 09/09/2024	मंगल 07/04/2034
00/00/0000	सूर्य 11/03/2002	चंद्र 28/08/2018	मंगल 10/04/2025	राहु 26/04/2035
00/00/0000	चंद्र 10/11/2003	मंगल 03/01/2019	राहु 10/10/2026	गुरु 01/04/2036
00/00/0000	मंगल 09/01/2005	राहु 28/11/2019	गुरु 09/02/2028	शनि 11/05/2037
00/00/0000	राहु 10/01/2008	गुरु 15/09/2020	शनि 09/09/2029	बुध 08/05/2038
00/00/0000	गुरु 10/09/2010	शनि 28/08/2021	बुध 09/02/2031	केतु 04/10/2038
00/00/0000	शनि 09/11/2013	बुध 05/07/2022	केतु 10/09/2031	शुक्र 04/12/2039
31/03/1997	बुध 09/09/2016	केतु 09/11/2022	शुक्र 11/05/2033	सूर्य 10/04/2040
बुध 09/11/1997	केतु 09/11/2017	शुक्र 10/11/2023	सूर्य 09/11/2033	चंद्र 09/11/2040

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
09/11/2040	**09/11/2058**	**09/11/2074**	**09/11/2093**	**10/11/2110**
09/11/2058	**09/11/2074**	**09/11/2093**	**10/11/2110**	**01/04/2117**
राहु 23/07/2043	गुरु 28/12/2060	शनि 12/11/2077	बुध 07/04/2096	केतु 09/04/2111
गुरु 16/12/2045	शनि 11/07/2063	बुध 22/07/2080	केतु 04/04/2097	शुक्र 08/06/2112
शनि 22/10/2048	बुध 16/10/2065	केतु 31/08/2081	शुक्र 03/02/2100	सूर्य 14/10/2112
बुध 11/05/2051	केतु 22/09/2066	शुक्र 31/10/2084	सूर्य 10/12/2100	चंद्र 15/05/2113
केतु 29/05/2052	शुक्र 23/05/2069	सूर्य 13/10/2085	चंद्र 12/05/2102	मंगल 11/10/2113
शुक्र 29/05/2055	सूर्य 11/03/2070	चंद्र 14/05/2087	मंगल 09/05/2103	राहु 29/10/2114
सूर्य 22/04/2056	चंद्र 11/07/2071	मंगल 22/06/2088	राहु 25/11/2105	गुरु 05/10/2115
चंद्र 22/10/2057	मंगल 16/06/2072	राहु 29/04/2091	गुरु 02/03/2108	शनि 13/11/2116
मंगल 09/11/2058	राहु 09/11/2074	गुरु 09/11/2093	शनि 10/11/2110	बुध 01/04/2117

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 7 मा 8 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।